सत्रीय कार्य पुस्तिका

डेरी प्रौद्योगिकी
में
डिप्लोमा (डी.डी.टी)

शैक्षणिक वर्ष 2026 (जनवरी और जुलाई 2026) के लिए सत्रीय कार्य

टिप्पणी: विद्यार्थियों से अनुरोध है कि वे सर्वप्रथम सत्रीय कार्य /प्रश्नों निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़कर सत्रीय कार्य के विषय को समझ लें। उत्तर लिखने के लिए प्रत्येक इकाई के प्रासंगिक अंश और उपअं । को ध्यानपूर्वक पढ़कर अपने शब्दों में अपना उत्तर तैयार करें। आपका उत्तर अध्ययन सामग्री/खंड जो कि स्वअध्ययन के लिए प्रदान किए गये हैं उनकी अभिव्यक्ति मात्र नहीं होना चाहिए। आपको यह सलाह भी दी जाती है कि सत्रीय कार्य तैयार करने के पूर्व आप अगर सम्भव हो तो अतिरिक्त सामग्री जो कि आपके अध्ययन केन्द्र पर अन्य किसी पुस्तकालय में उपलब्ध है का भी अध्ययन कर सकते हैं। परन्तु अतिरिक्त अध्ययन इन सत्रीय कार्य को तैयार करने के लिए जरूरी है।

इग्नू
जन-जन का विश्वविद्यालय

A++ NAAC

RANK 1 nirf
Under OU Category

कृषि विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
नई दिल्ली–110068

प्रिय विद्यार्थियों,

जैसा की आपको ज्ञात है कि सैद्धान्तिक अंतिम चरण परीक्षा के लिए 80% महत्व सैद्धन्तिक परीक्षा तथा 20% महत्व तथा सौपें हुए कार्य (सत्रीय कार्य) का महत्व होगा। सौपे हुए कार्य को तैयार करने के निर्देश नीचे दिए जा रहे हैं। प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए एक सत्रीय कार्य 50 अंकों का होगा यानि संपूर्ण कार्यक्रम में लिए कुल 8 सत्रीय कार्य होगें। प्रत्येक सत्रीयकार्य 50 अकों का होगा जो कि बाद में सैद्धान्तिक परीक्षा के 20% के बराबर होगा।

सत्रीय कार्य तैयार करने के लिए निर्देश

1. सत्रीय कार्य लिखने से पहले निम्नलिखित निर्देशों का अच्छी प्रकार अध्ययन कर ले। अपने सत्रीय कार्य के मुख पृष्ठ पर विस्तृत सूचना निम्न आरुप में दे।

नामांकन संख्या...

नाम...

पता ....

पाठ्यक्रम नियमावली...

पाठ्यक्रम ी कि...

अध्ययन केंद्र.. दिनांक.......................................

....

(नाम तथा नामावली)

मूल्यांकन को सरल बनाने तथा देरी से बचाव के लिए कृप्या दिये गये आरुप का सख्ती से पालन करें।

2. अपना उत्तर लिखने के लिए फुलस्केप आकार के सादे या रूल्ड पेपर का उपयोग करें।
3. अपनी उत्तर पुस्तिका के ऊपर, नीचे और बायीं ओर 4 सें.मी. का हाशिया छोड़ें, दोनों ओर हाशिया से लिखें और सभी पृ ठों को सावधानी से (पाठ्यक्रमानुसार) टाई/स्टेपल करें।
4. प्रभन संख्या स्पश्ट रूप से इंगित करें और प्रभन का कुछ भाग उत्तर लिखते समय हल किया जा रहा है।
5. आपको अपनी हस्तलिपि में लिखना चाहिए और केवल हस्तलिखित कार्यों का मूल्यांकन किया जाता है।
6. जनवरी 2026 सत्र के लिए असाइनमेंट जमा करने की अंतिम तिथि 30 सितंबर 2026 और जुलाई 2026 सत्र के लिए 30 मार्च 2027 है (तिथि विस्तार के लिए विभवविद्यालय की वेबसाइट देखें, यदि कोई हो)।
7. सत्रीय कार्यों को अपने अध्ययन केंद्र के समन्वयक को भेजना होगा।
8. हम दृढ़ता से सुझाव देते हैं कि आपको अपने सत्रीय कार्य के उत्तरों की एक प्रति अपने पास रखनी चाहिए।

शुभकामनाओं सहित।

सत्रीय कार्य जमा कराने की अंतिम तिथि

पाठ्यक्रम कोड	अध्ययन केन्द्र में सत्रीय कार्य जमा कराने की अंतिम तिथि	
	जनवरी 2026 सत्र	जुलाई 2026 सत्र
बीपीवीआई – 011, **बीपीवीआई – 012,** **बीपीवीआई – 013,** **बीपीवीआई – 014,** **बीपीवीआई – 015,** **बीपीवीआई – 016,** **बीपीवीआई – 017,** **बीपीवीआई – 018**	30 सितम्बर 2026	30 मार्च 2027

नोटः

- कृपया, अपना सत्रीय कार्य उपरोक्त तिथि के अनुसार अपने अध्ययन केंन्द्र (पीएससी) में जमा कराए।
- परीक्षा फार्म जमा कराने से पहले (मार्च और सितम्बर में क्रमशः जून और दिसम्बर सत्रांत परीक्षा हेतु), अनिवाार्य है कि आप जिन पाठ्यक्रमों की परीक्षा के लिए आवेदन कर रहे है, उनसे संबंधित सत्रीय कार्य जमा करायें, और कार्यक्रम प्रभारी या अध्ययन केंन्द्र (पीएससी) के संयोजक से इसका प्रमाणीकरण करायें।

बीपीवीआई – 011: दुग्ध उत्पादन और दूध की गुणवत्ता

अधिकतम अंक: 50

टिप्पणीः सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1) दुग्ध विकास में सहकारी प्रणाली के लाभों की व्याख्या कीजिए। ग्रामीण दुग्ध अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने में इसकी भूमिका पर प्रकाश डालते हुए सहकारी समितियों के आनंद पैटर्न (Anand Pattern) की प्रमुख विशेषताओं का वर्णन कीजिए। 10

2) स्वच्छ दूध उत्पादन के महत्व पर चर्चा कीजिए। डेयरी फार्म स्तर पर दूध की गुणवत्ता और सुरक्षा में सुधार के लिए अपनाई जाने वाली व्यावहारिक रणनीतियों की व्याख्या कीजिए। 10

3) दूध संकलन (Milk Procurement) की विभिन्न विधियों का वर्णन कीजिए तथा प्रत्येक के लाभ एवं हानियों की तुलना कीजिए। दूध भुगतान के विभिन्न मानदंडों को समझाइए तथा उचित कारणों सहित बताइए कि इनमें से कौन-सी विधि सर्वश्रेष्ठ है। 10

4) दूध के भौतिक-रासायनिक (Physico-chemical) गुणों की परिभाषा दीजिए तथा स्पष्ट कीजिए कि इन गुणों का ज्ञान दूध के प्रभावी गुणवत्ता नियंत्रण और विभिन्न दुग्ध उत्पादों के प्रसंस्करण में किस प्रकार सहायक होता है। 10

5) दूध में सूक्ष्मजीवों की वृद्धि को बढ़ाने वाले प्रमुख कारकों की पहचान कीजिए। भंडारण और परिवहन के दौरान होने वाले दूध के सूक्ष्मजीवीय अपघटन (Microbial Spoilage) को नियंत्रित करने के लिए अपनाए जाने वाले व्यावहारिक उपायों को समझाइए। 10